भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1612

जिसका उत्तर 01 अगस्त, 2024 को दिया जाना है।

.....

आंध्र प्रदेश में जल विरासत संरचनाएं

1612. श्री सी. एम. रमेशः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अमृत महोत्सव के दौरान आंध्र प्रदेश राज्य से चार जल विरासत संरचनाओं (डब्ल्यूएचएस) की पहचान की गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) आंध्र प्रदेश में जल विरासत संरचनाओं के रखरखाव/उन्नयन के लिए राज्य सरकार के साथ समन्वय में केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार द्वारा 2023-24 के बजट में आंध्र प्रदेश के विशेष संदर्भ में जल विरासत संरचनाओं के लिए कोई निधि आवंटित की गई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री राज भूषण चौधरी)

(क) और (ख): आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में, राष्ट्रीय जल मिशन, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा पूरे भारत में 75 प्राचीन जल संरक्षण संरचनाओं की पहचान की गई है और उन्हें "जल विरासत संरचनाओं" (डब्ल्यूएचएस) के रूप में घोषित किया है। पचहत्तर (75) जल विरासत संरचनाओं में से चार (04) स्थल आंध्र प्रदेश राज्य से लिए गए हैं। इन चार (4) जल विरासत संरचनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	**संरचना का नाम**	**स्थान**	
		गाँव/शहर	**जिला**
1	**हुंदरी नदी के पार के.सी. नहर एक्वाडक्ट**	कुरनूल	कुरनूल
2	**कुंबुम टैंक**	कुंबुम (V), कुंबुम- मंडल	प्रकाशम
3	**पोरुमिला टैंक (अनंतराज सागरम)**	पोरुमिला	कडपा
4	**सर आर्थर कॉटन बैराज (दौलेश्वरम एनीकट)**	दौलेश्वरम (V), राजमुंदरी ग्रामीण (एम)	पूर्वी गोदावरी

(ग): जल राज्य का विषय है और केन्द्र सरकार तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करने के माध्यम से राज्यों के प्रयासों में सहायता करती है। इस संदर्भ में, राष्ट्रीय जल मिशन, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा राज्य सरकार से नोडल एजेंसी की पहचान किए जाने के बाद, जिला प्रशासन के साथ राज्य पुरातत्व विभागों और अन्य विभागों/एजेंसियों के परामर्श से इन संरचनाओं के संरक्षण/पुनरुद्धार के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।

(घ): जी नहीं, श्रीमान।

(ङ): प्रश्न नहीं उठता।

****